केंद्रीय विद्यालय संगठन, कोलकाता संभाग
द्वितीय प्री- बोर्ड परीक्षा (2025-26)
विषय-कोड:(302)

कक्षा: बारहवीं **निर्धारित समयः 03 घंटे**

विषय: हिंदी (आधार) **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देशः

- **यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।**
- **इस प्रश्न पत्र में कुल 12 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **खंड – 'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **खंड- 'ख' में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।**
- **खंड – 'ग' में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।**
- **तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है, यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।**

प्रश्न संख्या	**खंड- 'क' अपठित बोध**	**अंक (18)**
1.	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए:**	**(10)**
	मानव व्यवहार पर उसकी मनोवृत्ति का अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। उल्लेखनीय है कि मनोवृत्ति व्यक्ति की भावनाओं, विचारों और अनुभूतियों का संग्रह होती है और यह उसके व्यवहार को सीधे या परिभाषित रूप से प्रभावित करती है। मनुष्य की संवेदनशीलता, उत्तेजना, संवेदनात्मक नैतिकता और अनुभव जैसे कुछ महत्वपूर्ण तत्व मानवीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं। व्यक्ति की मनोवृत्ति उसकी संवेदनशीलता को प्रभावित करती है। एक व्यक्ति जो संवेदनशील होता है, वह अपने आस-पास के लोगों की भावनाओं को समझता है और उनके साथ सहानुभूति भी रखता है, जोकि एक उत्कृष्ट मानवीय गुण है। उत्तेजनाशील मनोवृत्ति वाले व्यक्ति के व्यवहार में अधिक प्रेरणा और उत्साह देखा जाता है। ऐसे व्यक्ति अधिक उत्सुकता से अद्‌भुत कार्य कर सकते हैं, किन्तु कभी-कभी इससे उनका व्यवहार अत्यधिक अस्थिर भी हो सकता है। ठीक इसी प्रकार, संवेदनात्मक नैतिकता से युक्त व्यक्ति की मनोवृत्ति उसकी नैतिकता और मूल्यों को प्रभावित करती है। ऐसे व्यक्ति जो उदार और भावुक प्रवृत्ति के होते हैं, वे अधिक संवेदनात्मक नैतिकता के साथ व्यवहार करते हैं। साथ-ही-साथ अनुभव व्यक्ति की मनोवृत्ति को आकार देता है। व्यक्ति जो अनुभव प्राप्त करता है, वह उसके नजरिया को प्रभावित करता है। वास्तव में, मनोवृत्ति व्यक्ति के व्यवहार पर सीधे प्रभाव डालती है और विभिन्न पहलुओं के संयोजन से व्यक्ति के व्यवहार की समझ में मदद करती है। जिस प्रकार सिक्के के दो पहलू होते हैं, ठीक उसी प्रकार मनोवृत्ति का नकारात्मक प्रभाव भी होता है। व्यक्ति की मनोवृत्ति उसके व्यवहार, विचार और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को भी प्रभावित करती है तथा कई बार यह प्रभाव नकारात्मक भी होता है। एक नकारात्मक मनोवृति वाले व्यक्ति में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है, जिससे वह अपनी क्षमताओं को काम मानने लगता है और उसमें स्वार्थी विचारधारा विकसित होने लगती है। ऐसे व्यक्ति में अवसाद, चिंता और निराशा जैसी नकारात्मक भावनाएं नकारात्मक मनोवृत्ति के परिणामस्वरूप विकसित हो सकती हैं। इन भावनाओं से	

	व्यक्ति का व्यवहार और सोचने का तरीका प्रभावित होता है। इसके अतिरिक्त, नकारात्मक मनोवृत्ति वाले व्यक्ति में समस्या समाधान की क्षमता में कमी हो सकती है। इस प्रकार नकारात्मक मनोवृत्ति व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती है और उसे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने से रोक भी सकती है।	
(क)	**गद्यांश के अनुसार, नकारात्मक मनोवृत्ति व्यक्ति की किन क्षमताओं को कम कर सकती है?** (i) गणना क्षमता (ii) समाधान क्षमता (iii) भाषा कौशल (iv) सामाजिक कौशल	1
(ख)	**निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यान पूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही उत्तर चुनकर लिखिए:** **कथन (A): नकारात्मक मनोवृत्ति व्यक्ति में आत्मविश्वास की कमी उत्पन्न कर सकती है।** **कारण (R): नकारात्मक मनोवृत्ति व्यक्ति को अपनी क्षमताओं पर संदेह करना सिखाती है।** (i) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (ii) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता। (iii) कथन गलत है, परंतु कारण सही है। (iv) कथन और कारण दोनों गलत हैं।	1
(ग)	**निम्नलिखित कथनों में से सही कथनों का चयन कीजिए:-** कथन-1- उत्तेजनाशील मनोवृत्ति वाले व्यक्ति हमेशा स्थिर व्यवहार दिखाते हैं। कथन-2- अनुभव, संवेदनशीलता और नैतिकता मनोवृत्ति को आकार देते हैं। कथन-3- मनोवृत्ति का व्यक्ति के व्यवहार पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। कथन-4- अत्यधिक उत्साह और प्रेरणा कभी-कभी व्यवहार को अस्थिर बना देती है। **विकल्प-** (क) कथन 1 और 4 सही है। (ख) कथन 1, 2 और 3 सही हैं। (ग) कथन 2 और 4 सही है। (घ) कथन 3 और 4 सही हैं।	1
(घ)	मनोवृत्ति किन-किन तत्वों को प्रभावित करती है?	1
(ङ)	संवेदनात्मक नैतिकता से युक्त मनोवृत्ति व्यक्ति की नैतिकता और मूल्यों पर क्या प्रभाव डालती है?	2
(च)	उत्तेजनाशील मनोवृत्ति व्यक्ति के व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित करती है?	2
(छ)	अनुभव व्यक्ति की मनोवृत्ति और व्यवहार को किस प्रकार आकार देता है?	2
2.	**निम्नलिखित अपठित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए:-**	**(8)**
	मनुष्य की आकृति लिए सत्ता के गलियारों में प्रपंचों के बीच बिजूका बनकर क्या करूंगा? हाथ फैलाऊंगा आसमान की तरफ परिंदों को बुलाऊंगा फसलों और धरती के बीच झूठ के पर्याय के रूप में नहीं झिंगुरों, कीटों सबके साथ मिलकर चातक की तरह बरसात की बूंदों को पिऊंगा मैं बिजूका बनकर कौवे नहीं उड़ाऊंगा सभी को साथ लिए समवेत स्वर में फसलों के गीत गाऊंगा कोई बिजूका नहीं समझ पाएगा परिंदों के झुंड के बिना फसलों का रुदन	

	बिजूका बन परिंदों को अभिशाप समझने से पृथ्वी के लिए बेहतर होगा सारे आसमान को अपने अंदर समेट लेना	
(क)	**"सारे आसमान को अपने अंदर समेट लेना" पंक्ति में कवि का भाव क्या दर्शाता है?** (i) अहंकार और वर्चस्व की कामना (ii) व्यापकता, समावेशिता और उदारता (iii) आसमान पर नियंत्रण की लालसा (iv)प्र कृति से दूरी बनाना	1
(ख)	**निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यान पूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही उत्तर चुनकर लिखिए:** **कथन (A): कवि खुद को बिजूका बनकर परिंदों को बुलाएगा ताकि वह फसलों का रक्षक बने।** **कारण (R): कवि चाहता है कि पक्षियों के बिना फसलें उजड़ जाएँ इसलिए वह पक्षियों को दूर रखना चाहता है।** (i) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (ii) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता। (iii) कथन गलत है, परंतु कारण सही है। (iv) कथन और कारण दोनों गलत हैं।	1
(ग)	**मिलान कीजिए:** **स्तंभ 'क' (पंक्ति/भाव)** | **स्तंभ 'ख' (अर्थ)** (a) बिजूका बनकर | (1) हिंसा या अलगाव नहीं (b) चातक की तरह बरसात की बूंदों को पिऊंगा | (2) प्यास और आशा का प्रतीक (c) कौवे नहीं उड़ाऊंगा | (3) समर्पण और समावेशन का भाव — खुद को छोटे रूप में बदलकर भी सबको जोड़ने की इच्छा i. (a) – (1), (b) – (2), (c) – (3) ii. (a) – (2), (b) – (3), (c) – (1) iii. (a) – (3), (b) – (2), (c) – (1) iv. (a) – (2), (b) – (1), (c) – (3)	1
(घ)	''झूठ के पर्याय के रूप में नहीं" — यहाँ कवि किससे अलग होना चाहता है?	1
(ङ)	''समवेत स्वर में फसलों के गीत गाऊंगा" — इसका क्या अर्थ है?	2
(च)	प्रस्तुत काव्यांश में कवि का प्रमुख भाव क्या है?	2
	खंड- 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)	**(22 अंक)**
3.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:-**	**6X1=6**
	(क) जब मेट्रो की बिजली गुम हो गई (ख) त्योहारों पर बाजार की चहल-पहल (ग) पहाड़ी प्रदेश में एक दिन	
4.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए:**	**2X4=8**
(क)	इन-डेप्थ रिपोर्ट क्या है?	
(ख)	बीट रेपोर्टिंग एवं विशेषीकृत रेपोर्टिंग में क्या अंतर है?	

(ग)	कहानी और नाटक में क्या असमानताएँ होता है?	
(घ)	रेडियो नाटक और सिनेमा में मुख्य अंतर क्या है?	
(ङ)	प्रिन्ट(मुद्रित) माध्यमों के लेखन में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?	
5	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए:**	**4X2=8**
(क)	कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवादों की महत्ता पर प्रकाश डालिए।	
(ख)	कहानी के नाट्य रूपांतरण में किन बातों ध्यान रखना पड़ता है?	
(ग)	समाचार लेखन एवं फीचर लेखन में अंतर स्पष्ट करे।	
	खंड- 'ग' (पाठ्यपुस्तक 'आरोह' और 'वितान' पर आधारित प्रश्न)	**(40 अंक)**
6.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:**	**5**
	रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष **अंगना-अंग से लिपटे भी** **आतंक अंक पर काँप रहे हैं।** **धनी, वज-गर्जन से बादल!** **त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं।** **जीर्ण बाहु है, शीर्ण शरीर, तुझे बुलाता कृषक अधीर, ऐ विप्लव के वीर।** **चूस लिया है उसका सार, हाड़-मात्र ही है आधार,** **ऐ जीवन के पारावार।**	
(क)	**बादलों की गर्जना का धनी वर्ग पर क्या प्रभाव दिखाई देता है?** (i) धनी वर्ग उत्साहित होता है (ii) धनी वर्ग भयभीत होता है (iii) धनी वर्ग आंदोलित होता है (iv) धनी वर्ग सामान्य बना रहता है	
(ख)	**कवि ने कृषक वर्ग की क्या स्थिति बताई है?** (i) उनका शरीर जर्जर हो गया है (ii) उनके शरीर में हड्डियों का ढाँचा मात्र रह गया है (iii) वे व्याकुलता से बादल की प्रतीक्षा कर रहे हैं (iv) उपर्युक्त सभी	
(ग)	**कृषक वर्ग की स्थिति के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया गया है?** (i) शोषक वर्ग को (ii) मध्य वर्ग के (iii) स्वयं कृषक को (iv) प्राकृतिक प्रकोप को	
(घ)	**'मुख-ढाँपना' किस प्रवृति का द्योतक है?** (i) भयभीत मानसिकता का (ii) क्षुद्र मानसिकता का (iii) स्वच्छ मानसिकता का (iv) रुढ़िवादी मानसिकता का	
(ड.)	**कथन(A): 'जीर्ण बाहु, शीर्ण शरीर' कहकर कवि ने किसान की स्थिति का वर्णन किया है।** **कारण (R): कवि को किसानों के प्रति सहानुभूति है।** (i) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (ii) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता। (iii) A सही है, पर R गलत है। (iv) A गलत है, पर R सही है।	

7.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:**	**3X2=6**
(क)	कविता के किन उपमानों को देखकर कहा जा सकता है कि 'उषा' गाँव की सुबह का गतिशील शब्द-चित्र है?	
(ख)	पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है- तुलसी का यह काव्य सत्य क्या इस समय का भी युग-सत्य है? तर्क संगत उत्तर दीजिए।	
(ग)	शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?	
8.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए:**	**2X2=4**
(क)	चौकोने छोटे खेत को कवि ने कागज़ का पन्ना क्यों कहा है? उसमें 'रोपाई क्षण की, कटाई अनंतता की' कैसे है?	
(ख)	यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक दोनों एक साथ रोने लगें, तो प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा?"कैमेरे में बंद अपाहिज" पाठ के आधार पर बताइए।	
(ग)	भाषा को सहूलियत' से बरतने का क्या अभिप्राय है?	
9.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:**	**1X5=5**
	मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य हैं। तुलसीदास ने अफसोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी। धरा को प्रमाण यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना।" मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हैं कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा की झड़ना निश्चित हैं। सुनता कौन है? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोडा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो शायद कालदेवता की आँख से बच जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की और मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे।	
(क)	**लेखक ने 'पुराने की अधिकार-लिप्सा' से क्या अभिप्राय लिया है?** (i) वृद्ध व्यक्तियों का अधिकार पाने का लोभ (ii) पुराने विचारों या संस्थाओं की टिके रहने की जिद (iii) समाज में सत्ता पाने की चाह (iv) धार्मिक परंपराओं का पालन	
(ख)	**'महाकाल देवता' का उल्लेख किस रूप में किया गया है?** (i) करुणामयी सृष्टिकर्ता के रूप में (ii) समय और परिवर्तन के दंडदाता के रूप में (iii) विध्वंसक देवता के रूप में (iv) सृष्टि के पालक के रूप में	
(ग)	**कथन (A): लेखक ने 'शिरीष के फूलों' का उदाहरण जीवन के क्षणभंगुर होने के लिए दिया है।** **कारण (R): शिरीष के फूल झड़ने से पहले अपनी मुरझाने की नियति नहीं समझते।** (i) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की पुष्टि करता है। (ii) कथन सही है पर कारण गलत है। (iii) कथन गलत है पर कारण सही है। (iv) दोनों गलत हैं।	

(घ)	**लेखक के अनुसार कौन टिके रहते हैं?** (i) जीर्ण और दुर्बल (ii) जो स्थिर रहते हैं (iii) जिनमें प्राणकण ऊर्ध्वमुखी हैं (iv) जो परिवर्तन से डरते हैं	
(ङ.)	**गद्यांश का मूल संदेश क्या है?** (i) मृत्यु का भय (ii) परिवर्तन ही जीवन का नियम है (iii) अधिकार की लिप्सा का महत्त्व (iv) ईश्वर की दया	
10.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:**	**3X2=6**
(क)	जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक अंग न मानने के पीछे अंबेडकर का क्या तर्क था ?	
(ख)	लेखक ने अर्थशास्त्र को अनीति शास्त्र क्यों कहा है? 'बाजार दर्शन' पाठ के आधर पर उत्तर लिखें।	
(ग)	हाय, वह अवधूत आज कहाँ है! ऐसा कहकर लेखक ने आत्मबल पर देह-बल के वर्चस्व की वर्तमान सभ्यता के संकट की ओर संकेत किया है। कैसे ?	
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए:**	**2X2=4**
(क)	ढोल में तो जैसे पहलवान की जान बसी थी' 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए।	
(ख)	भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है?	
(ग)	आपको जीजी की आस्था अधिक प्रभावित करती है या लेखक के तर्क ? 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर स्पष्ट करे।	
12.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए:**	**5X2=10**
(क)	वर्तमान समय में परिवार की संरचना, स्वरुप से जुड़े आपके अनुभव 'सिल्वर वेडिंग' कहानी से कहाँ तक सामंजस्य बिठा पाते हैं?	
(ख)	'जूझ' कहानी आधुनिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन-मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।	
(ग)	टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों के भी दस्तावेज़ होते हैं-इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।	
	❖	